भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

25.03.2026 के

अतारांकित प्रश्न सं. 5333 का उत्तर

मंगलुरु सेंट्रल रेलवे स्टेशन को विश्व स्तरीय रेलवे स्टेशन के रूप में उन्नत किया जाना

5333. कैप्टन बृजेश चौटा:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या मंगलुरु सेंट्रल रेलवे स्टेशन को "विश्व स्तरीय रेलवे स्टेशन" के रूप में विकसित करने के लिए चिन्हित किया गया था, और यदि हां, तो प्रस्ताव का ब्यौरा क्या है और प्राक्कलित किया गया निवेश कितना है;

(ख) उक्त परियोजना की घोषणा के बाद से इसके कार्यान्वयन हेतु उठाए गए कदम क्या हैं जिसके अंतर्गत व्यवहार्यता रिपोर्ट तैयार करने, पुनर्विकास योजनाओं और परामर्श के लिए क्या कदम उठाए गए हैं;

(ग) विश्व स्तरीय स्टेशन कार्यक्रम के अंतर्गत स्टेशन के उन्नयन का कार्यान्वयन न होने/इसमें विलंब होने के क्या कारण हैं;

(घ) क्या सरकार का अमृत भारत स्टेशन योजना/अन्य कार्यक्रमों के अंतर्गत उक्त रेल स्टेशन के पुनर्विकास/आधुनिकीकरण का विचार है और यदि हां, तो स्वीकृत कार्यों, आवंटित निधि और उनके पूर्ण होने की समय-सीमा संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) मंगलुरु सेंट्रल और मंगलुरु जंक्शन रेलवे स्टेशनों पर यात्री सुविधाओं और अवसंरचना पर पिछले पांच वर्षों में किए गए कुल पूंजीगत व्यय का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ङ): रेल मंत्रालय द्वारा दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ स्टेशनों के पुनर्विकास हेतु अमृत भारत स्टेशन योजना शुरू की गई है। अभी तक, अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत

विकास के लिए 1338 रेलवे स्टेशनों को चिह्नित किया गया है, जिनमें से मंगलूरू सेन्ट्रल और मंगलूरू जंक्शन सहित 61 स्टेशन कर्नाटक में स्थित है।

मंगलूरू सेन्ट्रल स्टेशन पर, हाल के वर्षों में दूसरे प्रवेश द्वार का विकास कार्य, बुकिंग कार्यालय का निर्माण, परिचलन क्षेत्र और दूसरी प्रवेश द्वार पर पार्किंग का विकास कार्य और जल आपूर्ति की व्यवस्थाओं में सुधार के कार्य पूरे किए गए हैं। इसके अलावा, प्लेटफार्म शेल्टर्स के प्रावधान, डिब्बा संसूचक और पैदल पार पुल का विस्तार कार्य शुरू किए गए हैं।

अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत मंगलूरू सेन्ट्रल रेलवे स्टेशन के विकास कार्य के लिए मास्टर प्लान शुरू किया गया है। मास्टर प्लानिंग एक पुनरावृत्ति प्रक्रिया है जिसे इष्टतम करने की आवश्यकता होती है और इस चरण में इष्टतम करने के लिए समय सीमा बताना संभव नहीं है।

अमृत भारत स्टेशन योजना में रेलवे स्टेशनों को बेहतर बनाने के लिए मास्टर प्लान तैयार करना और चरणों में उनका कार्यान्वयन करना शामिल हैं। मास्टर प्लान बनाने में निम्नलिखित शामिल हैं:

- रेलवे स्टेशन और परिचलन क्षेत्रों तक पहुँच में सुधार
- रेलवे स्टेशन का शहर के दोनों भागों के साथ एकीकरण
- रेलवे स्टेशन इमारत में सुधार
- प्रतीक्षालय, शौचालय, बैठने की व्यवस्था, वाटर-बूथों में सुधार
- यात्री यातायात के अनुरूप चौड़े ऊपरी पैदल पुल/एयर कॉन्कोर्स की व्यवस्था
- लिफ्ट/एस्केलेटर/रैम्प की व्यवस्था
- प्लेटफ़ॉर्म की सतह में सुधार/निर्माण और प्लेटफ़ॉर्म पर कवर की व्यवस्था
- 'एक स्टेशन एक उत्पाद' जैसी योजनाओं के माध्यम से स्थानीय उत्पादों के लिए कियोस्क की व्यवस्था

- **पार्किंग क्षेत्र, मल्टीमोडाल एकीकरण**
- **दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएँ**
- **बेहतर यात्री सूचना प्रणाली**
- **एक्ज़ीक्यूटिव लाउंज, व्यावसायिक बैठकों के लिए निर्दिष्ट स्थान, भूसुदर्शनीकरण आदि की व्यवस्था।**

इस योजना में दीर्घकालिक और पर्यावरण अनुकूल समाधानों; आवश्यकतानुसार चरणबद्ध रूप से एवं यथा व्यवहार्य गिट्टीरहित पटरियों की व्यवस्था आदि और दीर्घावधि में रेलवे स्टेशन पर सिटी सेन्टरों के निर्माण की संकल्पना भी की गई हैं।

कर्नाटक में अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत पुनर्विकास के लिए चिह्नित स्टेशन निम्नानुसार हैं:-

राज्य	स्टेशनों की संख्या	स्टेशनों के नाम
कर्नाटक	61	अलमट्टि, अलनावर, अर्सिकेरे जंक्शन, बादामी, बागलकोट, बल्लारी, बैंगलोर कैंट, बंगारपेट, बंटवाल, बेलागवी, बीदर, बीजापुर, चामराज नगर, चन्नपट्टण, चन्नासंद्रा, चिक्कमगलूरु, चिकोडी रोड, चित्रदुर्ग, दावनगेरे, धारवाड़, डोडबल्लापुर, गदग, गंगापुर रोड, गंगावती, घाटप्रभा, गोकक रोड, गुब्बि, हरिहर, हसन, होसपेटे, कालाबुरगी जं, केंगेरी, कोप्पल, क्रान्तिवीर संगोल्लि रायाण्ण (बेंगलुरु स्टेशन), कृष्णराजपुरम, मल्लेश्वरम, मलूर, मांड्या, मंगलूरू सेंट्रल, मंगलूरू जंक्शन, मुनीराबाद, मैसूर जं (मैसूर), रायचूर जं, रामनगरम, रानीबेन्नूर, रायबाग, सागर जंबागरू, सकलेशपुर, शाहाबाद, शिवमोगा टाउन,श्रवणबेलगोला, श्री सिद्धारूढ़ा स्वामीजी हुब्बल्लि जंक्शन, सुब्रहमण्य रोड, तालगुप्पा, तिपटूर, तुमकुरु, उडुपि, विजयपुरा, वाडी, व्हाइटफ़ील्ड, यादगिर, यशवंतपुर

कर्नाटक में अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत रेलवे स्टेशनों का विकास कार्य तीव्र गति से किया जा रहा है। अभी तक, इस योजना के तहत कर्नाटक के 09 स्टेशनों (अलनावर, बादामी, बागलकोट, धारवाड़, गदग, गोकक रोड, कोप्पल, मुनीराबाद, बंटवाल) के कार्य पूरे हो चुके हैं। अन्य स्टेशनों पर विकास कार्य भी तीव्र गति से शुरू की गई हैं और कर्नाटक में स्थित कुछ स्टेशनों की प्रगति इस प्रकार हैं:-

- मंगलूरू जंक्शन स्टेशन: स्टेशन पहुँच मार्ग का चौड़ीकरण, पार्किंग सहित परिचलन क्षेत्र का कार्य, स्टेशन भवन में सुधार जिसमें प्रांगण, बुकिंग कार्यालय, अतिरिक्त प्लेटफॉर्म शेल्टर का प्रावधान, शौचालय की सुविधा के साथ नई प्रतीक्षालय का प्रावधान, प्लेटफॉर्म 1 पर प्लेटफॉर्म सतह में सुधार, प्रकाश व्यवस्था, कोच प्रदर्श बोर्ड और पार्सल कार्यालय शामिल हैं, का कार्य पूरे किए गए हैं। 6 मीटर चौड़े पैदल पार पुल के निर्माण का कार्य शुरू कर दिया गया है।
- बेंगलुरु छावनी स्टेशन: दक्षिण की ओर मार्ग परिवर्तन सड़क, प्रशिक्षण केंद्र, उत्तर की ओर छात्रावास और विद्युत सबस्टेशन भवन के कार्य पूरे किए जा चुके हैं। दक्षिण की ओर स्टेशन भवन, उत्तर की ओर स्टेशन भवन, परिचलन क्षेत्र और ऊपरी पैदल पुल के कार्य शुरू किए गए हैं।
- चामराज नगर स्टेशन: स्टेशन भवन, प्रवेश द्वार प्रांगण, प्लेटफ़ॉर्म शेल्टर, प्लेटफ़ॉर्म सतह, प्रतीक्षालय, बुकिंग काउंटर, परिचलन क्षेत्र और पार्किंग में सुधार के कार्य पूरे किए जा चुके हैं। लिफ्ट, एस्केलेटर और 12 मीटर पैदल पार पुल के कार्य शुरू किए गए हैं।
- होसपेटे स्टेशन: स्टेशन भवन का सुधार कार्य, प्लेटफ़ॉर्म शेल्टर, प्रतीक्षालय का सुधार कार्य और प्लेटफ़ॉर्म संख्या 1 पर कोच संकेतन बोर्ड के कार्य पूरे हो चुके हैं। प्लेटफ़ॉर्म सतह, प्लेटफ़ॉर्म संख्या 2/3 पर कोच संकेतन बोर्ड, लिफ्ट, एस्केलेटर और 12 मीटर पैदल पार पुल के कार्य शुरू कर दिए गए हैं।

- रानिबेनूर स्टेशन: स्टेशन भवन, प्रवेश द्वार प्रांगण, प्लेटफ़ॉर्म शेल्टर, प्लेटफ़ॉर्म सतह, प्रतीक्षालय, शौचालय, परिचलन क्षेत्र, पार्किंग और प्रवेश द्वार के मेहराब के सुधार कार्य पूरे किए जा चुके हैं। लिफ्ट, एस्केलेटर और 12 मीटर पैदल पार पुल के कार्य शुरू कर दिए गए हैं।

इसके अलावा, भारतीय रेल पर स्टेशनों का विकास/पुनर्विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण एक सतत और निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है और इस संबंध में परस्पर प्राथमिकता और निधियों की उपलब्धता के अध्यधीन आवश्यकतानुसार कार्य किए जाते हैं। स्टेशन का विकास/पुनर्विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण स्टेशन की कोटि/अवस्था/संभाले जाने वाले यातायात आदि के आधार पर किया जाता है।

रेलवे स्टेशनों का विकास/पुनर्विकास/उन्नयन जटिल स्वरूप का होता है जिसमें यात्रियों और रेलगाड़ियों की संरक्षा अंतर्ग्रस्त होती है और इसके लिए दमकल विभाग की स्वीकृति, धरोहर, पेड़ों की कटाई, विमानपत्तन संबंधी स्वीकृति इत्यादि जैसी विभिन्न सांविधिक स्वीकृतियों की आवश्यकता होती है। इनकी प्रगति जनोपयोगी सेवाओं (जिनमें जल/सीवेज लाइन, ऑप्टिकल फाइबर केबल, गैस पाइप लाइन, पावर/सिगनल केबल इत्यादि शामिल हैं) अतिलंघनों को स्थानांतरित करने, यात्री संचलन को बाधित किए बिना रेलगाड़ियों के परिचालन, उच्च वोल्टेज बिजली लाइनों के नजदीक किए जाने वाले कार्यों के कारण गति प्रतिबंध आदि जैसी ब्राउन फील्ड संबंधी चुनौतियों के कारण भी प्रभावित होती है और ये कारक कार्य के समापन समय को प्रभावित करते हैं।

सामान्यतः अमृत भारत स्टेशन योजना सहित अन्य योजनाओं के अंतर्गत रेलवे स्टेशनों के विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण का वित्तपोषण योजना शीर्ष-53 'ग्राहक सुविधाएँ' के अंतर्गत किया जाता है। योजना शीर्ष-53 के अंतर्गत आबंटन और व्यय का ब्यौरा क्षेत्रीय रेल-वार रखा जाता है, न कि कार्य-वार या रेलवे स्टेशन-वार या राज्य-वार। मंगलूरू सेन्ट्रल और मंगलूरू

जंक्शन रेलवे स्टेशन दक्षिण रेलवे के क्षेत्राधिकार में आता है जिसके लिए वित्तीय वर्ष 2025-26 हेतु 1125 करोड़ रुपए का आवंटन (सं.अ.) किया गया है। विगत चार वर्षों और चालू वर्ष तक (जनवरी, 2026 तक) की अवधि के दौरान दक्षिण रेलवे ने 3,210 करोड़ रुपए का कुल व्यय उपगत किया है।

******